REVIEW OF RESEARCH

किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना : एक अध्ययन

डॉ. अमी राठौड़[1] , संगीता राव[2]

[1] सह–आचार्य,लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर.
[2] पीएच.डी. स्कॉलर.

ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514
VOLUME - 8 | ISSUE - 8 | MAY - 2019

सारांश :

प्रस्तुत शोध में उदयपुर शहर के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों की नागरिक भावना का अध्ययन किया गया हैं। साथ ही उच्च और निम्न नागरिक भावना वाले विद्यार्थियों की नागरिक भावना का क्षेत्रवार वरीयता का पता लगाने हेतु किया गया। शोध हेतु उदयपुर शहर के 20 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के 600 किशोर विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया है। शोध के लिए शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है। स्वनिर्मित उपकरण 'नागरिक भावना प्रमापनी' के द्वारा दत्तों का संकलन किया। शोध के निष्कर्ष से ज्ञात होता है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालय के किशोर विद्यार्थियों में नागरिक भावना के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति प्रतिक्रिया एवं विचारों में भिन्नता है। किशोर विद्यार्थियों के अभिमतानुसार ''यातायात के पालन के भाव'' को सर्वाधिक प्राथमिक दी गई अर्थात् किशोर विद्यार्थी यातायात के नियमों के पालन के प्रति सजग एवं जिम्मेदार हैं। इसके पश्चात् ''विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव'' को प्राथमिकता प्राप्त है। इसके पश्चात् वे पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता के भाव, सभी नागरिकों के प्रति सम्मान एवं सुरक्षा के भाव, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान के भाव एवं सार्वजनिक धरोहर के प्रति सुरक्षा के भाव को प्राथमिकता प्रदान करते हैं।

प्रस्तावना

यह कहा जाता है कि आज का विद्यार्थी कल का भविष्य हैं अर्थात् देश के विकास में विद्यार्थियों की अहम् भूमिका होती है। अतः विद्यार्थियों में अपने देश, देशवासियों, समाज, परिवार एवं स्वयं के प्रति जो नैतिक कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों के निर्वहन एवं पालन का भाव विद्यमान रहता है, वहीं उसकी "नागरिक भावना'' हैं।

''नागरिक भावना से आशय उन नियमों से हैं, जो हमारे और दूसरों की सहूलियत के लिए बनाए जाते हैं।" इन नियमों का पालन करना अतिआवश्यक नहीं होता किंतु यह हमारी नैतिक एवं व्यक्तिगत जिम्मेदारी अथवा दायित्व हैं। नागरिक भावना के विभिन्न क्षेत्र है जैसे– सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव, सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव, सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव, पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव, यातायात के नियमों के पालन का भाव एवं विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों व कर्तव्य के प्रति पालन का भाव आदि सम्मिलित हैं।

अतः नागरिक भावना के इन सभी क्षेत्रों के प्रति आज की युवा पीढ़ी अर्थात् किशोर विद्यार्थी क्या विचार रखते हैं, वे नागरिक भावना के प्रति कितने सजग है अर्थात् किशोर विद्यार्थियों का हमारे सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों, बड़े, बुजुर्गो की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं, राष्ट्र की सार्वजनिक सम्पत्ति, धरोहर,

ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा, पर्यावरण की स्वच्छता और संरक्षण सड़कों– रेलमार्गों की सुरक्षा, यातायात के नियमों का पालन, सड़क दुर्घटनाओं से सुरक्षा, विधि में निहित मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों, महापुरुषों, राष्ट्र प्रतीकों के सम्मान के प्रति कितने सजग एवं सकारात्मक अथवा नकारात्मक हैं? इन तथ्यों को जानने हेतु उक्त समस्या को मस्तिष्क में रखते हुए शोध पत्र लिखने की योजना बर्नाइ।

शोध प्रश्न

1. नागरिक भावना के विभिन्न आयाम कौनसे हैं ?
2. नागरिक भावना के प्रति किशोर विद्यार्थियों कौन से क्षेत्र को वरीयता देते हैं?

शोध उद्देश्य

1. माध्यमिक विद्यालयों के किशोर विद्यार्थियों के नागरिक भावना का पता लगाना।
2. उच्च एवं निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों का पता लगाना।
3. उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना का क्षेत्रवार वरीयता का पता लगाना।
4. निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना का क्षेत्रवार वरीयता का पता लगाना। लगाना।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोध की ''सर्वेक्षण विधि'' का उपयोग किया गया।

परिसीमन

यह शोध अध्ययन उदयपुर शहर के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के 10वीं कक्षा के छात्रों तक ही सीमित रखा गया हैं।

न्यादर्श

उदयपुर शहर के 20 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया एवं प्रत्येक राजकीय विद्यालय के 10वीं कक्षा के 30 किशोर विद्यार्थियों का सौद्देश्य विधि द्वारा चयन करते हुए 600 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। जिसमें 300 छात्र एवं 300 छात्राएँ सम्मिलित हैं।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु स्वनिर्मित उपकरण "नागरिक भावना प्रमापनी'' का उपयोग किया गया। प्रस्तुत उपकरण प्रशासन सम्बन्धी छः क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है–

(1) सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव।
(2) सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव।
(3) सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव।
(4) पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव।
(5) यातायात के नियमों के पालन का भाव।
(6) विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव।

आदि को सम्मिलित कर सम्पूर्ण ''नागरिक भावना प्रमापनी'' का निर्माण किया गया। इसमें कथनों की संख्या 67 रखी गई। कथन सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रकार के निर्मित किए गए। यह उपकरण तीन पदीय अंकन प्रणाली पर निर्मित किया गया।

1. किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना का पता लगाना

सारणी संख्या 1

माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों के किशोर विद्यार्थियों के नागरिक भावना के दत्तों का मध्यमान एवं मानक विचलन

क्र. सं.	क्षेत्र	मध्यमान	कट पोइन्ट मध्यमान	मानक विचलन	वरीयता क्रम
1	सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव	14.04	14 x 1 = 14	5.47	V
2	सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव	10.55	11 x 1 = 11	4.05	VI
3	सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव	11.57	10 x 1 = 10	2.63	IV
4	पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव	12.56	10 x 1 = 10	2.25	III
5	यातायात के नियमों के पालन का भाव	14.52	10 x 1 = 10	2.04	I
6	विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव	14.14	11 x 1 = 11	2.19	II
7	योग	77.38	66	15.01	

परिणाम एवं व्याख्या

सारणी संख्या 1 के आधार पर यह ज्ञात होता है कि राजकीय स्तर के माध्यमिक विद्यालय के किशोर विद्यार्थियों (छ=600) की नागरिक भावना से सम्बन्धित समग्र क्षेत्रों का कुल मध्यमान 77.38 व माध्य विचलन 15. 01 ज्ञात हुआ। जो कट पोइन्ट मध्यमान 66 से अधिक है। अतः यह कहा जा सकता है कि किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना सकारात्मक है।

सारणी संख्या 1 आधार पर यह कहा जा सकता है कि राजकीय विद्यालय के किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना के चार क्षेत्रों (यातायात के नियमों के प्रति पालन का अभाव, विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव, पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव, सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव) का कटपोईन्ट मध्यमान से अधिक है एवं दो क्षेत्रों (सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव, सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव) का मध्यमान कट पोईन्ट मध्यमान से कम अथवा सामान्य है, किन्तु क्षेत्रों के स्तर में भिन्नता है। अतः किशोर विद्यार्थियों के अभिमतानुसार ''यातायात के पालन के भाव'' को सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई अर्थात् किशोर विद्यार्थी यातायात के नियमों के पालन के प्रति सजग एवं जिम्मेदार हैं। इसके पश्चात् ''विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव'' को प्राथमिक प्राप्त है। अतः यह कहा जा सकता है कि किशोर विद्यार्थी अपने मताधिकार, अपनी अभिव्यक्ति क्षमता, मातृभाषा, राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान के सम्मान के प्रति सजग हैं। इसके पश्चात् किशोर विद्यार्थियों ने पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव'' को स्थान दिया हैं। अतः वे पर्यावरण की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति सजग एवं कार्यरत है, वे कचरे को कचरा पात्र में डालते हैं, वे विद्यालय, पड़ौस, घर में स्वच्छता का ध्यान रखते हैं, साथ ही वृक्षों एवं नदियों की सुरक्षा का ध्यान भी रखते हैं। वे सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव एवं ''सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव'' को प्राथमिकता देते हैं। उन्हें अपने घर,

परिवार, बुजुर्गों, आस–पड़ौस सभी के साथ मिलजुल कर रहने एवं कार्य करने का महत्व पता है। वे सभी धर्मों के त्यौहारों को परिवार के साथ मिलकर मनाते हैं। अतः किशोर विद्यार्थी सार्वजनिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की स्वच्छता एवं सुरक्षा का ध्यान रखते हैं, वहाँ के नियमों का पालन करते हैं। अतः सबसे अंत में वे सभी नागरिकों के प्रति सम्मान एवं सुरक्षा के भाव को स्थान देते हैं। अपने राष्ट्र के महापुरुषों, बुजुर्गों, गुरुजनों, विदेशी पर्यटकों, अपने से छोटे एवं बड़ों का सम्मान एवं सहायता करते हैं।

2. उच्च एवं निम्न नागरिक भावना वाले विद्यार्थियों का पता लगाना

सारणी संख्या 2
उच्च एवं निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों का प्रतिशतवार विश्लेषण

क्र. सं.	नागरिक भावना का स्तर	न्यादर्श (600)	प्रतिशत
1.	उच्च नागरिक भावना	113	18.83
2.	सामान्य नागरिक भावना	393	65.51
3.	निम्न नागरिक भावना	94	15.66
	योग	**600**	**100**

परिणाम एवं व्याख्या

सारणी संख्या 2 के अनुसार, प्रसामान्य वक्र के आधार पर कुल न्यादर्श (600) में 113 छात्रों की नागरिक भावना सामान्य से अधिक अर्थात उच्च नागरिक भावना पाई गई जिसका प्रतिशत 18.83 है, एवं 94 छात्रों की नागरिक भावना सामान्य से बहुत कम पाई गई अर्थात् निम्न नागरिक भावना पाई गई जिसका प्रतिशत 15.66 है और 393 छात्रों की नागरिक भावना न तो अधिक उच्च एवं न अधिक निम्न पाई गई अर्थात् सामान्य नागरिक भावना वाले छात्र हैं, जिसका प्रतिशत 65.51 है।

3. उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना का क्षेत्रवार वरीयता का पता लगाना

सारणी संख्या 3
उच्च नागरिक भावना वाले विद्यार्थियों का मध्यमानवार विश्लेषण

क्र. सं.	क्षेत्र	मध्यमान	कट पोइन्ट मध्यमान	वरीयता क्रम
1	सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव	21.22	14 x 1 = 14	I
2	सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव	15.50	11 x 1 = 11	V
3	सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव	14.64	10 x 1 = 10	VI
4	पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव	15.66	10 x 1 = 10	IV
5	यातायात के नियमों के पालन का भाव	16.42	11 x 1 = 11	II
6	विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव	15.74	11 x 1 = 11	III

LBP PUBLICATION

परिणाम एवं व्याख्या

सारणी संख्या 3 के आधार पर उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना के सभी क्षेत्रों (सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव, सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव, सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव, पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव, यातायात के नियमों के पालन का भाव, विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव) का मध्यमान उनके कट पोईन्ट मध्यमान से अधिक है अर्थात् सभी क्षेत्रों के प्रति उच्च सकारात्मकता है, उनसे प्राप्त अभिमतानुसार ''सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव'' को सर्वाधिक प्राथमिकता प्राप्त है अर्थात् उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थी अपने बड़े बुजुर्गों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, परिवार के साथ मिलकर खाना खाते हैं, अतिथियों, पड़ौसियों व बड़ों का सम्मान करते हैं एवं उनके साथ सभी त्यौहार मनाते हैं। इसके पश्चात् वे ''यातायात के नियमों के पालन के भाव'' को प्राथमिकता देते हैं अर्थात् ट्रेफिक सिग्नल पर नियमों के प्रति पूर्णतः सजग एवं जिम्मेदार है। वे गाड़ी को सामान्य गति से चलाते हैं, हमेशा हेलमेट पहनकर ही गाड़ी चलाते हैं, गाड़ी में सीट बेल्ट लगाते हैं, गाड़ी चलाते समय फोन पर बात नहीं करते हैं। इसके पश्चात् वे ''पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता के भाव'' एवं ''विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन के भाव'' को महत्त्व देते हैं, अर्थात् वे घर, विद्यालय एवं अपने आस–पास के क्षेत्रों को साफ–सुथरा रखते हैं, कचरे को एकत्रित कर कचरे पात्र में डालते हैं, नदियों और तालाबों को गंदा नहीं करते हैं, अपनी राष्ट्र भाषा एवं राष्ट्र प्रतीकों का सम्मान, मताधिकार का प्रयोग, शोषण का विरोध करते है, चाहे अपने साथ हो या दूसरों के साथ हो। अंत में वे ''सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा के भाव'' एवं ''सभी नागरिकों के प्रति सम्मान व सहायता के भाव'' को महत्त्व देते हैं अर्थात् वे सार्वजनिक ऐतिहासिक स्थलों पर घूमते समय वहाँ की सुरक्षा, स्वच्छता एवं नियमों का पूरा ध्यान रखते हैं, वे घर, विद्यालय एवं किसी भी जगह बिजली, पानी की बचत का पूरा ध्यान रखते हैं। साथ ही हमारे देश के नागरिकों, महापुरुषों, शहीदों एवं गुरुजनों के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं, बड़ों से अभिवादन, छोटों से प्यार, निर्धन एवं जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करते हैं।

4 निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना का क्षेत्रवार वरीयता का पता लगाना

सारणी संख्या 4
निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों का मध्यमानवार विश्लेषण

क्र. सं.	क्षेत्र	मध्यमान	कट पोइन्ट मध्यमान	वरीयता क्रम
1	सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव	7.35	14 x 1 = 14	V
2	सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव	7.34	11 x 1 = 11	VI
3	सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव	8.55	10 x 1 = 10	IV
4	पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव	10.72	10 x 1 = 10	III
5	यातायात के नियमों के पालन का भाव	13.45	11 x 1 = 11	I
6	विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव	13.10	11 x 1 = 11	II

परिणाम एवं व्याख्या

सारणी संख्या 4 के आधार पर यह ज्ञात होता है कि निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों का नागरिक भावना के तीन क्षेत्रों (यातायात के नियमों के पालन का भाव, पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव, विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन का भाव) का मध्यमान इनके कटपोईटन मध्यमान से अधिक अर्थात् उच्च एवं तीन क्षेत्रों (सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव, सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव) का मध्यमान उनके कट पोईन्ट मध्यमान से सामान्य एवं सामान्य से भी कम अर्थात् नकारात्मक दृष्टिकोण है। वे नागरिक भावना के प्रति सजग एवं जिम्मेदार नहीं है, ना ही उनमें अपने राष्ट्र, राष्ट्रवासियों एवं अपनों के प्रति समर्पण, सम्मान एवं सहायता का भाव है। वे नागरिक भावना के क्षेत्रों में ''यातायात के नियमों के पालन के भाव'' एवं ''विधि में निहित सांविधिक एवं मौलिक अधिकारों के प्रति पालन के भाव'' को प्राथमिक देते हैं अर्थात् यातायात के नियमों, जैसे ट्रैफिक सिग्नल, ज़ेबा क्रासिंग लाइसेंस, गाड़ी में सीट बेल्ट लगाना, गाड़ी चलाते समय फोन पर बात नहीं करना आदि एवं विधि के नियम, राष्ट्र भाषा, राष्ट्र प्रतीक के सम्मान, अपने व दूसरों के अधिकारों के प्रति सजग व जिम्मेदारी के भाव के प्रति सामान्य दृष्टिकोण रखते हैं। नागरिक भावना के अन्य क्षेत्रों जैसे– (सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान का भाव, सभी देशवासियों के प्रति सम्मान एवं सहायता का भाव, सार्वजनिक धरोहर की सुरक्षा का भाव, पर्यावरणीय संरक्षण एवं स्वच्छता का भाव) के प्रति सामान्य से कम अर्थात् नकारात्मक भाव हैं, वे इन क्षेत्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी व कर्तव्य के भाव के प्रति जागरूक नहीं है। वे बुजुर्गों, महापुरुषों, गुरुजनों का सम्मान व अभिवादन नहीं करते, उनके कार्यों में सहायता भी नहीं करते। वे पर्यावरण, सार्वजनिक सम्पत्ति व ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा व संरक्षण के प्रति सजग नहीं है। उनके घर, विद्यालय व आस–पास के वातावरण की गंदगी से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, अर्थात् उनमें नकारात्मकता व उदासीनता का भाव समाहित है।

निष्कर्ष

किशोर विद्यार्थियों की नागरिक भावना ज्ञात करने पर यह ज्ञात होता है कि किशोर विद्यार्थियों द्वारा नागरिक भावना के क्षेत्रों में सर्वाधिक यातायात के नियमों एवं विधि में निहित नियमों एवं अधिकारों के पालन के प्रति सजग एवं जागरूक हैं। तत्पश्चात् वे पर्यावरण एवं सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार हैं। अंत में ''सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति'' एवं ''देशवासियों के प्रति'' सम्मान व सहायता के भाव के प्रति सामान्य दृष्टिकोण रखते हैं। अतः उनके स्तरों में भिन्नता है।

उच्च नागरिक भावना वाले छात्र नागरिक भावना के क्षेत्रों के प्रति, उच्च सकारात्मकता का भाव रखते हैं जबकि निम्न नागरिक भावना वाले छात्रों का नागरिक भावना के क्षेत्रों के प्रति नकारात्मक का स्तर अधिक है। उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थी नागरिक भावना के सभी क्षेत्रों के प्रति समर्पण एवं जिम्मेदारी का भाव रखते हैं अर्थात् वे हमारे सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के भाव को समझते हैं एवं उन्हें अपने जीवन में बहुत महत्व देते हैं, देश के राष्ट्रप्रतीकों महापुरुषों एवं बुजुर्गों का सम्मान करते हैं, पर्यावरण, संरक्षण सार्वजनिक संपत्ति एवं यातायात के नियमों का पालन करते हैं, जिससे वे राष्ट्र के अच्छे नागरिक बनकर, राष्ट्र के विकास में सहायता कर सके। निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों का नागरिक भावना के क्षेत्रों के प्रति सामान्य एवं सामान्य से भी कम नकारात्मक दृष्टिकोण है। वे नागरिक भावना के प्रति सजग एवं जिम्मेदार नहीं है, ना ही उनमें अपने राष्ट्र, राष्ट्रवासियों एवं अपनों के प्रति समर्पण, सम्मान एवं सहायता का भाव है। अतः निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थी को उपरोक्त समस्त क्षेत्रों के प्रति जिम्मेदारी का भाव रखते हुए गंभीरता पूर्वक विचार कर अपने कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों के प्रति अग्रसर होना चाहिए, जिससे वे राष्ट्र के अच्छे भावी नागरिक बन कर, प्रगति में सहयोग प्रदान करें।

शैक्षिक निहितार्थ

अभिभावकों की दृष्टि से– प्रस्तुत शोध कार्य अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण है। इस शोध कार्य के अध्ययन से अभिभावक यह जान पाएंगे कि वे अपने बालकों की परवरिश किस तरह से करें ताकि बालक का सर्वांगीण विकास हो और वह देश का एक अच्छा नागरिक बन सके।

किशोर विद्यार्थियों की दृष्टि से– प्रस्तुत शोध किशोर विद्यार्थियों की दृष्टि से भी बहुत उपयोगी है। इस शोध कार्य के माध्यम से निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थी यह जान पाएंगे कि किस तरह से उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थी यह जान पाएंगे कि किस तरह से उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थी अपनी योग्यता एवं क्षमताओं का उपयोग करते हुए देश एवं देशवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों को प्राथमिकता देते हुए देश के विकास में निःस्वार्थ भाव से समर्पित है।

विद्यालयों एवं शिक्षकों की दृष्टि से– प्रस्तुत शोध विद्यालयों एवं शिक्षकों की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि छात्र परिवार के बाद सीधा विद्यालय से संबंधित होता है। विद्यालय ही वह स्थान है, जहां छात्रों के नैतिक बौद्धिक एवं सर्वांगीण गुणों का विकास कर उसे एक शिष्ट नागरिक बनाया जाता है। अतः प्रस्तुत शोध द्वारा शिक्षक यह जान पाएंगे कि निम्न नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों को किस प्रकार का विद्यालय वातावरण दिया जाए जिससे उन्हें उच्च नागरिक भावना वाले किशोर विद्यार्थियों की श्रेणी में लाकर देश के विकास में सहयोगी बना सकें।

संदर्भ

- सेंटर फॉर सिविक एजुकेशन(1991).सिविटास :अ फ्रेमवर्क फॉर सिविक एजुकेशन कालाबसस, सीएः सेण्टर फॉर सिविक एजुकेशन
- सेंटर फॉर सिविक एजुकेशन(1994). नेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर सिविक्स एंड गवर्नमेंट. कालाबसस, सीएः सेण्टर फॉर सिविक एजुकेशन
- कोल्स, आर. (1997). द मोरल इंटेलिजेंस ऑफ़ चिल्ड्रेन. न्यूयोर्कः रैंडम हाउस
- ए.चर, श्रीजया. (2014) वाहट हेपन्स वेन सिविक सेन्स इज इम्पोस्ड ऑन चिल्ड्रन www.bengaluru.citizenmatter.in
- परवरिश,(2018), इनक्यूकेटींग सिविक सेन्स इन चिल्ड्रन www.parwarish.in
- नागर, नाथ कैलाश. (2018)सांख्यिकी के मूल तत्व www.hindilibraryindi.com
- भाटिया, नीलिमा. (2017), सविक सेंस– नीड ऑफ द ऑवर www.creative.sulekha.com

डॉ. अमी राठौड़
सह–आचार्य,लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर.

LBP PUBLICATION